Amortisation of Public Borrowing

2515. **Shri Ram Singh Ayarwal:**
Shri Hukam Chand Kachwai:
Shri Nitiraj Singh Chaudhary:
Shri Nathu Ram Ahirwar:
Shrimati Agam Das Guru Minimata:

Will the Minister of **Finance** be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 620 on the 28th July, 1966 and state:

(a) whether any progress has been made in the examination of general question relating to the indebtedness of the State and the need for standardisation of amortisation of public borrowing as recommended in the report of the Fourth Finance Commission;

(b) whether any communication has since been received from any State Government in this regard; and

(c) if so, the details thereof?

The Deputy Prime Minister and Minister of Finance (Shri Morarji Desai): (a) to (c). The qquestion of amortisation of public borrowings and assistance therefor as also of indebtedness had to be txammed in relation to all States. This examination is in progress on the basis of material furnished by the various State Governments. As the matter raises several complicated issues, it may take sometime before a final decision is reached.

एक रुपये तथा दस रुपये के नोट

2516. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री जगन्नाथराव जोशी :

क्या वित्त मंत्री 6 अप्रैल, 1967 के अतारांकित प्रश्न संख्या 692 के उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या एक सरकारी खजाने से प्राप्त एक ही नम्बर के एक रुपये वाले दो नोटों के मामले में बैंक अधिकारियों ने जांच की है;

(ख) क्या यह भी सच है कि इसी प्रकार एक ही नम्बर के दस रुपये वाले दो नोटों का भी पता लगा है;

(ग) यदि हां, तो जांच का ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार ने इस बारे में क्या कार्यवाही की है ?

उप-प्रधान मंत्री और वित्त मंत्री (श्री मोरारजी देसाई): (क) जी, हां ।

(ख) दस रुपये के नोटों के ऐसे तीन मामलों का पता चला था जिनमें दो-दो नोटों पर एक ही संख्या पड़ी थी ।

(ग) और (घ). प्रश्न के भाग (क) में जिन नोटों का जिक्र किया गया है उनके बारे में यह पता चला था कि इन में से एक नोट की संख्या जान बूझ कर बदल दी गई थी यह बात स्पष्ट नहीं हुई कि इस प्रकार संख्या बदलने का उद्देश्य क्या था । ऊपर भाग (ख) में जिन तीन मामलों का जिक्र किया गया है उनके सम्बन्ध में भी जांच-पड़ताल की गयी है । इन में से दो मामलों में, नोटों के एक जोड़ की संख्याओं को जान-बूझ कर बदल दिया गया था । तीसरे मामले में गलती से दो नोटों पर एक ही संख्या पड़ गयी थी जिसकी ओर प्रेस का ध्यान नहीं गया था और इस गलती के लिए जो व्यक्ति जिम्मेदार थे उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की गयी थी ।

जबलपुर में पकड़ा गया तस्करी का सामान

2517. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री जगन्नाथराव जोशी :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अप्रैल, 1967 में जबलपुर में कुछ लोगों ने 200 तोले